Hindi Murli Quiz 05-02-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **आज के वरदान के अनुसार वर्तमान समय विश्व की आत्मायें विभिन्न परिस्थितियां जैसे महंगाई, भूख, तन के रोग, मन की अशान्ति आदि से चिल्ला रही हैं । सबकी नजर टॉवर ऑफ पीस की तरफ जा रही है । तो अब अपने साकारी फरिश्ते रूप द्वारा विश्व के दुख दूर करो और भक्तों को -----------------का प्रसाद बाटो ।**
(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली के अनुसार एक ही सही विकल्प का चयन करें)

A. ○ सुख और शान्ति
B. ◉ गति और सद्गति
C. ○ प्रेम और आनन्द
D. ○ ,स्नेह और शक्ति

Q.2) **बाप बच्चो को बैठ समझाते हैं । कोई तो अच्छी रीति समझ जाते हैं, कोई समझते ही नही है । जो अच्छी रीति समझते है उनको सगे कहेंगे और जो नही समझते हैं वह लगे अर्थात् सौतेले हुए । बाबा के पास मातेले भी हैं तो सौतेले भी हैं । मातेले बच्चे तो बाप की श्रीमत पर पूरा चलते हैं । सौतेले नहीं चलते । अब सौतेले -----------थोड़े ही बनेंगे ।**
[निम्नलिखित में से सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. ○ लक्ष्मी-नारायण
B. ○ ईश्वरीय -सन्तान
C. ○ विश्व-मालिक
D. ◉ वारिस

Q.3) **आज की मुरली में बाबा की यथार्थ याद के विषय में कुछ बातें बतायी गयी हैं, उन सबका चयन करें ---**

A. ☑ बुद्धि में रहे बाबा हमे सारे विश्व का मालिक बनाते हैं ।
B. ☐ बाबा हमारा आशिक है हम उसके माशूक हैं –सदा यह ख़ुशी रहे ।
C. ☑ यथार्थ याद मे रहने के लिए ज्ञान का नशा चढ़ा हुआ हो ।
D. ☑ यथार्थ याद में कोई भी देह याद न आये, यह ध्यान रखना जरूरी है ।
E. ☑ यथार्थ याद अर्थात अपने को इस देह से न्यारी आत्मा समझकर बाप को याद करना ।

Q.4) **वाक्यों के अर्थ अनुसार ही उनको मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	ओम का अर्थ ही है मैं आत्मा,	मनुष्य फिर समझते ओम् माना भगवान ।
B	हम आत्मा हैं, हमारा स्वधर्म शान्त है,	हम आत्मा शान्तिधाम की रहने वाली हैं ।
C	अभी तो कलियुग पुरानी दुनिया है,	नई दुनिया सतयुग को कहा जाता है ।
D	बाप सिर्फ बच्चों से ही बात करते हैं क्योकि,	कलियुगी मनुष्य हैं नर्कवासी और तुम हो संगमयुग वासी ।
E	यहाँ सभी दु:खी हैं इसलिए कहते है मन को शान्ति कैसे हो,	ऐसे नही कहते- आत्मा को शान्ति कैसे हो ।

Q.5) **"आप हिम्मत का एक -------बढ़ाओ तो बाप मदद के हजार ------------बढ़ायेंगे ।"**
(सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली के अनुसार एक ही सही विकल्प का चयन करें)

A. ◉ कदम
B. ○ हाथ
C. ○ ऊँगली
D. ○ साधन

Q.6) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	इस समय सभी मनुष्य मात्र यहाँ हैं,	क्राइस्ट की आत्मा भी कोई न कोई जन्म मे यहाँ है ।
B	इस समय है सब पत्थर बुद्धि,सतयुग मे तुम बनते हो पारस बुद्धि,	अभी है संगम, तुम यहाँ आये हो पारसबुद्धि बनने के लिए ।
C	अभी तुमको विकर्माजीत बनना है,	वह है विकर्माजीत संवत । यह है विकर्मी संवत ।
D	वह है हद के सन्यासी, तुम हो बेहद के सन्यासी ,	रात-दिन का फर्क है ।

E	लक्ष्मी-नारायण का आज से 5 हजार वर्ष पहले राज्य था,	84 जन्म भोगे,अभी तमोप्रधान से बाप द्वारा फिर सतोप्रधान बन रहे है ।

Q.7) **अच्छे- अच्छे गीत हैं उन्हे सुनो तो तुम्हारे रोमाच खडे हो जायेगे । खुशी का पारा एकदम चढ़ जायेगा । फिर वह नशा स्थाई भी रहना चाहिए । वह शराब पीते है तो नशा चढ़ जाता है । यहाँ यह तो है ज्ञान अमृत । तुम्हारा नशा उतरना नही चाहिए, सदैव चढ़ा रहना चाहिए । तुम इन लक्ष्मी-नारायण को देख कितने खुश होते हो । जानते हो हम श्रीमत से फिर श्रेष्ठाचारी बन रहे है ।**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.8) **तुम कहते हो ना ओम शान्ति अर्थात 'मैं आत्मा तो शान्तिधाम की रहने वाली हूँ, मेरा स्वधर्म है शान्ति' । फिर भी शान्ति मांगते हो क्योंकि अपने को आत्मा भूल देह- अभिमान मे आ जाते हो । यहाँ फिर शान्ति कहाँ से मिलेगी? अशरीरी होने से ही शान्ति होगी । शरीर के साथ आत्मा है, तो उनको बोलना चलना तो जरूर पड़ता है ।**

A. ○ False
B. ◉ True

Q.9) **आज धारणा के लिए दिये गए सभी पॉइंट्स चयन करें -------**

A. ☑ यहाँ रहते वा देखते हुए बुद्धियोग बाप और वर्से मे लगा रहे ।
B. ☑ बाप के वर्से का पूरा अधिकार प्राप्त करने के लिए मातेला बनना है ।
C. ☑ बाप जो समझाते हैं वह समझकर दूसरों को समझाना है ।
D. ☑ एक बाप की ही श्रीमत पर चलना है ।
E. ☑ विकर्माजीत बनने के लिए योगबल से विकर्मो पर जीत प्राप्त करनी है ।

Q.10) **मीठे बच्चे: शान्ति चाहिए तो अशरीरी बनो, इस ------------में आने से ही अशान्ति होती है, इसलिए अपने स्वधर्म में स्थित रहो । (सभी उत्तर कुछ न कुछ ठीक हो सकते हैं परन्तु आज की मुरली के अनुसार एक ही सही विकल्प का चयन करें)**

A. ◉ देहभान
B. ○ भक्ति
C. ○ पुरानी -दुनिया
D. ○ शरीर